प्रस्तावना

सांख्यिकी की सहायता से आंकड़ों की वास्तविक वस्तु स्थिति को सूक्ष्म एवं यथार्थ रूप में समझा जा सकता है। सांख्यिकी एक प्रकार का ऐसा उपकरण है जिसके प्रयोग द्वारा अनुभवाश्रित अन्वेषण के प्रत्यक चरण में आनी वाली समस्या का समाधान किया जा सकता है क्योकि सांख्यिकी का प्रयोग विविध समस्याओं को समझने के लिए किया गया है।

सांख्यिकी का अर्थ

सांख्यिकी शब्द अंग्रेजी के शब्द **STATISTICS** का हिन्दी रूपांतरण है जो कि लैटिन भाषा के शब्द से बना है। शब्द का प्रयोग सबसे पहले जर्मन विद्वान गोट फ्राइट एकैनवाल ने किया है जिसके कारण इन्हें सांख्यिकी के जन्मदाता माना जाता है।

वर्तमान समय में सांख्यिकी शब्द का अर्थ उस विज्ञान से लगाया जाता है जो किसी क्षेत्र से संबंधित प्रदत्तो में व्यवहार करने में प्रयुक्त होता है।

सांख्यिकी की परिभाषा

- बाउले के अनुसार :– ''सांख्यिकी किसी अनवेषण से सम्बंधित तथ्यों की एसी संख्यात्मक प्रसतावनये है जिन्हें एक दूसरे से सम्बंध स्थापित करके रखा गया हो।''
- बोडिगटन के अनुसार :– ''सांख्यिकी अनुमान तथा सम्भाविकता का विज्ञान है।''
- प्रो. वॉलिस एवं रॉबटर्स के अनुसार :– ''सांख्यिकी एक उपकरण है जिसका उपयोग समस्याओंु पर हमला करने में किया जा सकता है, अनुभवजन्य जॉच के लगभग क्षेत्र में उत्पन्न होती है।''

सांख्यिकी के कार्य

- तथ्यों को संख्यात्मक बनाना :–
- जटिल तथ्यों को सरल बनाना :–
- तथ्यों की तुलना कर सम्बंध स्थापित करना :–
- नीति निर्धारण करना :–
- व्यक्तिगत ज्ञान एवं अनुभाव में वृद्धि :–
- पूर्वानुमान लगाना :–

सांख्यिकी के काय

- वैज्ञानिक नियमों की सत्यता की जॉच करना :–
- तथ्यों को निश्चयात्मक रूप देना :–
- परिकल्पना और उनकी जॉच में सहायक :–
- विस्तार का अभाव करना :–

सांख्यिकी के क्षेत्र

- सांख्यिकी की रीतियां या विधि
  - सांख्यिकी आंकडो को एकत्रित करना
  - आंकडो का सारणीयन
  - आंकडों का वर्गीकरण
  - आंकडों का विश्लेषण
  - आंकड़ों का निर्वाचन
  - पूर्वानुमान
- व्यावहारकि सांख्यिकी
  - वर्णात्मक व्यावहारिक सांख्यिकी
  - वैज्ञानिक व्यावहारिक सांख्यिकी

सांख्यिकी का महत्व

- तथ्यों का माप :–
- तथ्यों का संख्यात्मक वर्णन :–
- वैषयिकता :–
- पूर्वानुमान :–
- तुलनात्मक अध्ययन :–
- सम्बंधो का मात्रा का ज्ञान :–

सांख्यिकी की सीमायं

- केवल समूहों का अध्ययन :–
- सांख्यिकी गुणात्मक तथ्यों का अध्ययन नहीं करती :–
- सांख्यिकी परिणाम केवल औसत सत्य होते है :–
- सांख्यिकी विधि किसी समस्या के अध्ययन की विभिन्न विधियों से एक है :–
- सांख्यिकी केवल साधन मात्र है समस्या समाधान नहीं :–
- दुरूपयोग :–

निष्कर्ष

आधुनिक व औद्योगिक एवं वैज्ञानिक यु्ग मे सांख्यिकी का महत्व अत्यंत बढता गया है। सामाजिक अनुसंधान में सांख्यिकी हमें एक मजबूत आधार प्रदान करता है। आज जहां तक कहा जा सकता है कि जो कुछ कह रहें है यदि उसे संख्या में माप सकते है तथा व्यक्त कर सकते है। तब तो आप कुछ जानते है। अन्यथा आपका ज्ञान अल्प व असंतोष जनक है।

सांख्यिकी अनुसंधान कर्ता के लिए एक प्रमुख औजार आधार व तकनीक है जिससे वह अपनी बात सत्यता के साथ रख सकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

- डॉ. डी. एस. बघेल – सामाजिक अनुसंधान
- श्री आर के रस्तोगी – सामाजिक अनुसंधान सर्वेक्षण, सांख्यिकी
- डॉ. एस. एम. शुल्क – सांख्यिकी के सिद्धांत
- श्री रविन्द्रनाथ मुखर्जी – सामाजिक शोध व सांख्यिकी

'' धन्यवाद ''